Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BD-104

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination March – 2021

B.A. Darshan, Semester : First
संस्कृत : प्रश्न-पत्र : चतुर्थ
संस्कृत व्याकरण–II

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड–क
(दीघ–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. हल्-संधि के अन्तर्गत आने वाली किन्हीं पाँच संन्धियों की उदाहरणपूर्वक व्याख्या करें।
2. प्रत्याहार का स्वरूपा क्या है? इसका विस्तृत वर्णन करें।
3. वर्णों के उच्चारण स्थानों की विस्तृत व्याख्या लिखें।
4. "सर्वनामस्थान" एवं "सम्प्रसारण" संज्ञा का विधान करने वाले सूत्रों की अर्थोदाहरणपूर्वक स्पष्ट व्याख्या एवं विवेचना करें।
5. "अर्थवत आगमस्तद्गुणीभूतोऽर्थविद्ग्रहणेन गृह्यते" परिभाषा को स्पष्ट करें।

खण्ड–ख
(लघु–उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

1. अव्यय का क्या स्वरूप है? स्पष्ट करें।
2. वर्णों की कुल संख्या कितनी है? वर्गानुसार वर्णन करें।
3. "अर्थवद्ग्रहणे नानर्थकस्य" परिभाषा की व्याख्या करें।
4. 'हशि च' सूत्रार्थ पूर्वक उदाहरण लिखें।
5. 'अल्' एवं 'चर्' प्रत्याहारों के अन्तर्गत आने वाले वर्णों का एवं उससे निर्मित प्रत्याहारों का उल्लेख करें।
6. 'अपृक्त' संज्ञा को प्रतिपादन करने वाले सूत्र की स्पष्ट व्याख्या करें।
7. लभ् + धः = ? यहाँ कौन-सी सन्धि का प्रयोग होगा? सूत्रोल्लेखपूर्वक अर्थ लिखें।

----------X----------